भारत में पहली बार प्राचीन विज्ञान की आधुनिक प्रस्तुति

ANJIKASAR immunity drops

(Govt. Approved Ayurvedic Immuno modulator)

MANRIS INDIA ENTERPRISES LLP भारत में पहली बार शरीर की अपनी रोग प्रतिरोधक शक्ति (Immunity) को संतुलित करके तथा ताकतवर बना कर रखने वाला उत्पाद **ANJIKASAR** प्रस्तुत कर रही है।

- **ANJIKASAR** कभी न ठीक होने वाले असाध्य रोगों को भी जड़ से समाप्त कर सभी आयु वर्ग के लोगो को सदा के लिऐ निरोगी बनाने में सक्षम है।
- **ANJIKASAR** 6 दुर्लभ और बेशकीमती औषधीय मशरूमों से तैयार की गई है जिनके नाम इस प्रकार है: गैनोडर्मा, कॉरडिसैप्स, लायनस मेन, माईताके, शिटाके और टर्की-टेल।
- औषधीय मशरूम की श्रेणी में आने वाली इन दुर्लभ जड़ी बुटीयों के बारे में अधिकांश लोग कोई जानकारी नहीं रखते परन्तु इनका प्रयोग हज़ारों साल पहले से हो रहा है। राजा महाराजा मुँह मांगी कीमत दे कर इनको हासिल किया करते थे।
  आज के युग के अमरीकी और जापानी वैज्ञानिकों ने इन औषधीय मशरूमों के ऊपर शोध के पश्चात इनकी कृषि तथा प्रयोग की विधि का ज्ञान आम आदमी के लिये उपलब्ध करवा दिया है।
- **ANJIKASAR** में डाली गई इन मशरूमों का असर शरीर की सम्पूर्ण कोशिकाओं पर होता है जिसके कारण यह हर प्रकार की बीमारी में लाभदायक है तथा शरीर के सभी अंगों की क्रियाओं का संतुलन बना सकती है।
- **ANJIKASAR** न केवल बीमारीयों से मुक्ति पाने के लिए अपितु स्वस्थ रहने के लिए भी लाभदायक है।
- ऊपरलिखित कथन दुनिया के लगभग सभी देशों के शोधकर्ताओं द्वारा प्रमाणित हो चुके हैं और पिछले 30 सालों में 8000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं जिनका समावेश करने के लिए अमरीकी वैज्ञानिकों द्वारा एक पत्रिका "International Journal of Medicinal Mushrooms" शुरू किया गया है।
- निम्नलिखित दुनिया भर के आधुनिक चिकित्सा के नामी संस्थान इसको अपनी चिकित्सा के साथ-साथ प्रयोग में लाने की सलाह दे रहें हैं।

- The University of Tokyo
- Harvard University
- University of Texas, USA
- MD Anderson Cancer Centre, USA
- Maryland University of Integrative Health, USA
- American Cancer Society
- Japan Cancer Society
- National Institute of Health, USA
- Sloan Kettering Cancer Centre, USA
- The UK Cancer Research Centre
- Bhabha Atomic Research Centre, India
- Agricultural University, Solan, India

ANJIKASAR

immunity drops

ANJIKASAR के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्रश्न - क्या ANJIKASAR मेरी शूगर ठीक कर सकता है ?

उत्तर - हां, ANJIKASAR शूगर की बीमारी को न केवल सदा के लिए ठीक कर सकता है अपितु शूगर होने से बचा भी सकता है, अगर आप इसका प्रयोग शूगर का पता चलते ही शुरू कर दें। लेकिन जिनकी शूगर की बीमारी पुरानी हो वे अंग्रेजी या देसी दवाई के साथ-साथ ANJIKASAR को लेना शूरू कर दें तो शूगर के दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है, जैसे हाथों-पैरों का सुन्न होना, आंखों की रोशनी कम होना, गुर्दो का खराब होना, हार्टअटैक, ब्रेन-सट्रोक, शरीर कमज़ोर और सैक्स कमज़ोर होना, इत्यादी।

प्रश्न - क्या ANJIKASAR हृदय रोग में बंद नाड़ियों को खोल सकता है ?

उत्तर - हां, ANJIKASAR अंग्रेजी तथा आयुर्वेदिक उपचार के साथ लेने पर हृदय की बंद नाड़ियों को खोलकर हृदय के रोगी को संपूर्ण स्वास्थय प्रदान कर सकता है। ऐसा कर के रोगी को बाईपास सर्जरी, एंजियोग्राफ़ी तथा एंजियोप्लासटी से बचाया जा सकता है।

प्रश्न - क्या ANJIKASAR कैंसर होने से रोक सकता है ?

उत्तर - हां, ANJIKASAR कैंसर की रोकथाम कर सकता है। यह बात शोधकर्ताओं द्वारा प्रमाणित हो चुकी है तथा उनके शोधपत्र विज्ञान पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। China, Japan, South Korea, USA और UK में ANJIKASAR में पाई जाने वाली औषधीय मशरूमों का प्रयोग कैंसर के अंग्रेज़ी उपचार के साथ-साथ बड़े पैमाने पर किया जा रहा है जिनके निम्नलिखित फायदे है।

1. मरीज़ कैंसर की दवाईयों से होने वाले घातक परिणामों से बच जाता है और अपना उपचार पूरा कर लेता है।
2. ईलाज के बाद भी ANJIKASAR लेते रहने से मरीज़ जल्दी स्वस्थ हो जाता है और कैंसर के दोबारा आने की संभावना बहुत कम हो जाती है।

प्रश्न - क्या ANJIKASAR से स्टीरॉयड तथा दर्द-निवारक दवाईओं के दुष्प्रभाव से बचा जा सकता है ?

उत्तर - हां, ANJIKASAR को स्टीरॉयड और दर्द-निवारक दवाईओं के साथ-साथ लेते रहने से न केवल उन दवाईओं के दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है अपितु जिन बीमारियों के कारण यह घातक दवायें जीवन भर लेनी पड़ती हैं उन बीमारियों को ठीक कर के दवाओं की ज़रूरत कम या समाप्त कर सकता है जैसे गठिया, जिगर, गुर्दों की बीमारी, फेफडों के रोग, हड्डियों और मांसपेशियों की बीमारीयां, इत्यादि।

प्रश्न - पेट में तेज़ाब की बीमारी के कारण प्रतिदिन खाली पेट दवाई खानी पड़ती है। वहां ANJIKASAR क्या सहायता कर सकता है ?

उत्तर - ANJIKASAR पेट में ज़्यादा तेज़ाब बनने की वजह को खत्म कर के, दवाओं की ज़रूरत को कम कर के, उनके दुष्प्रभावों से बचा सकता है और समस्त पाचन क्रिया को सुचारू कर के कब्ज़, बड़ी आंत की बीमारी, छोटी आंत की बीमारी, फैटी लिवर, पित्ते की पत्थरी, काला पीलीया, गुर्दे की पत्थरी, यूरिक एसिड, रक्त की चर्बी तथा अग्न्याशय की दर्द जैसी गम्भीर बीमारीयों से सदा के लिए छुटकारा दिला सकता है।

ANJIKASAR
immunity drops

ANJIKASAR के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्रश्न : क्या ANJIKASAR चमड़ी रोग और Allergy के रोगों को बार-बार होने से रोक सकता है?

उत्तर : हां, ANJIKASAR चमड़ी और Allergy के रोगों को जड़ से समाप्त कर के सदा के लिऐ इस से छुटकारा दिला सकता है। चमड़ी रोग और Allergy की असल वजह यह है कि कुछ विषैले पदार्थों की निकासी अगर जिगर, गुर्दों या फेफड़ों से होगी तो वो इन महत्वपूर्ण अंगों का स्थाई नुक्सान कर सकते हैं। शरीर की प्राकृतिक ताकत विषैले पदार्थो की निकासी चमड़ी के द्वारा कर के इन महत्वपूर्ण अंगों को बचाती है। शरीर की प्राकृतिक ताकत इन विषैले पदार्थों को चमड़ी पर ले आती है परन्तु अगर निकासी नही कर पाती तो उसे हम चमड़ी रोग या Allergy कह देते है।

ANJIKASAR प्राकृतिक ताकत को इतना सक्षम बना देता है कि हमारी प्राकृतिक ताकत चमड़ी पर आ चुके विषैले पदार्थों का रासायनिक विकर्ण (Chemotaxis) कर के शरीर से बाहर निकाल सके। इस प्रकार ANJIKASAR चमड़ी और Allergy के रोगों को सदा के लिऐ जड़ से समाप्त कर सकता है।

प्रश्न : क्या ANJIKASAR बच्चों के लिए सुरक्षित है?

उत्तर : हां, ANJIKASAR बच्चों के लिए अति सुरक्षित एवं अति आवश्यक है। क्योंकि आज की विकृत जीवन शैली और बाज़ारी भोजन (Fast Food)बच्चों को समय से पहले ही भयंकर बीमारियों का शिकार बना रहा है जिस से उनकी रोग प्रतिरोधक शक्ति कमज़ोर हो जाती है और शारीरक व मानसिक विकास ठीक तरह से नही हो पाता।

ANJIKASAR के प्रतिदिन सेवन करने से बच्चों की रोग प्रतिरोधक शक्ति मज़बूत हो कर उनको जीवनभर बीमारियों से बचा कर अति आवश्यक शारीरिक व मानसिक विकास में सहायता कर के समझदार, सुन्दर, स्वस्थ व बलशाली व्यक्ति बना सकता है।

प्रश्न : क्या ANJIKASAR बुढ़ापे की बीमारियों और शारीरिक व मानसिक कमज़ोरियों से बचा सकता है?

उत्तर : हां, ANJIKASAR में प्रयोग होने वाली जड़ी बूटियों को Anti-ageing and Longevity Herbs कहा जाता है। ANJIKASAR बुढ़ापे में कमज़ोरी, मस्तिष्क की बीमारियां जैसे पारकिंसन, भूलने की बीमारी (Dementia), झुर्रियां पड़ना, कमज़ोर पाचन क्रिया, कब्ज़, प्रोस्टैट की बीमारियां, मानसिक असंतुलन , इत्यादि से बचाव कर सकता है।
ANJIKASAR बुढ़ापे में हृदय आघात एवं मस्तिष्क आघात से बचने का सरल एवं कारगर उपाय है।

प्रश्न : क्या ANJIKASAR औरतों की बीमारियों में लाभदायक है?

उत्तर : हां, ANJIKASAR Immunity को नियमित कर के औरतों के हारमोनल साईकल को संतुलित करता है जिस से मासिक धर्म से सम्बन्धित सभी बीमारियां जैसे मासिक कम आना, अधिक मासिक स्त्राव या कष्ट के साथ आना, बच्चेदानी या अंडेदानी की रसोलियां आदि को ठीक करने में ANJIKASAR बहुत कारगर सिद्ध हो रहा है ।

ANJIKASAR में प्रयोग होने वाली जड़ी-बूटीयों को Women friendly कहा जाता है क्योंकि यह मासिक धर्म बन्द होने के समय (Menopause) अथवा बाद में आने वाली विभिन्न शारीरिक अथवा मानसिक तकलीफों को समाप्त कर बाकी जीवन संतुलित अथवा स्वस्थ कर देता है।

प्रश्न : एक स्वस्थ व्यक्ति को ANJIKASAR लेने से क्या लाभ हो सकता है?

उत्तर : ANJIKASAR का सबसे अधिक लाभ एक स्वस्थ व्यक्ति को ही है क्योंकि ANJIKASAR लेने से व्यक्ति हमेशा के लिए स्वस्थ रह सकता है। कोई भी बीमारी एक दिन में नहीं बनती। पहले शरीर में विषैले पदार्थों का संचय होता है, फिर प्रसार होता है और पता तब चलता है जब उनका प्रकोप सामने आता है। तब तक बहुत देर हो चुकी होती है और बीमारी भयंकर रूप ले चुकी होती है। संचय अवस्था और प्रसार अवस्था में हम अपने आप को स्वस्थ समझते है जो कि एक भ्रम है । ANJIKASAR विषैले पदार्थों की संचय एवं प्रसार अवस्था को समाप्त करके प्रकोप अवस्था से सदा के लिए बचा सकता है।

प्रश्न : लम्बे समय तक ANJIKASAR लेने के क्या दुष्परिणाम हो सकते है?

उत्तर : ANJIKASAR के लम्बे समय तक लेने से दुष्परिणाम की बजाय अतिरिक्ति लाभ हो सकते हैं। ANJIKASAR एक बीमारी को ठीक करने के साथ-साथ शरीर की सारी क्रियाओं को संतुलित कर के कई और छुपी हुई छोटी-छोटी बीमारियों को ठीक कर सकता है। इसी वजह से इस को बीमारियों से बचाव के लिऐ भी लेते रहना चाहिए। परन्तु यह ध्यान रखना चाहिऐ कि जब बीमारी के ठीक होने के लक्षण (Ailment Reflection) सामने आने लगे तो अज्ञानता में हमें उसे दुष्परिणाम समझ कर ANJIKASAR का सेवन बंद नही करना चाहिए। ये लक्षण थोड़ी देर के लिऐ आते है और स्वाभाविक उपचार का हिस्सा होते है और स्वयं ही खत्म हो जाते है। हम आवश्यक्ता के मुताबिक उनका लाक्षणिक उपचार कर सकते है।

उदाहरणतय ANJIKASAR लेने के पश्चात मल-मूत्र विसर्जन तेज़ी पकड़ सकता है, जिससे उल्टी आना, जी मचलाना, दस्त लगना, चक्कर आना, सुस्ती पड़ना, खांसी-बलगम आना एवं चमड़ी पर चकत्ते पड़ना आदि सभी औपचारिक क्रियायें है। इनको दुष्परिणाम नहीं समझना चाहिये। दरअसल यह सब इस बात का प्रमाण है कि ANJIKASARअपना काम कर रहा है।

DISCLAIMER (डिस्क्लेमर) : जो जानकारी इस पुस्तिका में दी गई है वह विभिन्न अनुसंधान रिपोर्टों, इंटरनेट साईटस और इस उत्पाद में प्रयोग की गई जड़ी बूटियों पर प्रकाशित साहित्यों पर आधारित है। इसे MANRIS INDIA ENTERPRISES LLP के मूल अनुसंधान कार्य अथवा उत्पादों के दावे से नही जोड़ा जाना चाहिऐ।

ANJIKASAR में प्रयोग हाने वाली जड़ी बूटीयों के मानव शरीर पर विभिन्न कार्यो के दावों की प्रमाणिकता आधुनिक विज्ञान द्वारा सिद्ध हो चुकी है और उनके प्रकाशित शोधपत्र Internet के द्वारा पूरी दुनिया के लिए उपलब्ध है।

ANJIKASAR में प्रयोग हो रही जड़ी बूटीओं में क्या है और ये कैसे काम करती है, इसका वर्णन एक वैज्ञानिक विषय है जिसे कोई भी Internet पर जा कर पढ़ सकता है और पड़ताल भी कर सकता है।

Ayurda

MANRIS INDIA ENTERPRISES
514, SSST Nagar, Patiala, Punjab - 147003 INDIA
Customer Care No. : +91 6283801035 Mail at : Info@ayurda.in
Website : www.ayurda.in